



Literacy for a Billion

Movie: Mere Mehboob

Year: 1963

Song: Aaj furkat ka kwaab

Lyricist: Shakeel Badayuni

आज फुरकत का ख़्वाब टूट गया
मिल गए तुम हिज़ाब टूट गया
तुमसे इज़हार ए हाल कर बैठे
तुमसे इज़हार ए हाल कर बैठे
बेखुदी में कमाल कर बैठे
बेखुदी में कमाल कर बैठे रे
तुमसे इज़हार ए हाल कर बैठे

खो गए हुस्न की बहारों में
कह दिया राज़ ए दिल इशारों में
काम हम बेमिसाल कर बैठे
काम हम बेमिसाल कर बैठे
बेखुदी में कमाल कर बैठे
तुमसे इज़हार ए हाल कर बैठे

कितने मज़बूर हो गए दिल से हाए

कितने मज़बूर हो गए दिल से
सोचे समझे बगैर क़ातिल से
सोचे समझे बगैर क़ातिल से
ज़िंदगी का सवाल कर बैठे
बेखुदी में कमाल कर बैठे रे
तुमसे इज़हार ए हाल कर बैठे
तुमसे इज़हार ए हाल कर बैठे

ये अदाएँ ये शोखियाँ तौबा
बस खुदा ही खुदा है उस दिल का
जो तुम्हारा ख़याल कर बैठे
जो तुम्हारा ख़याल कर बैठे
बेखुदी में कमाल कर बैठे
तुमसे इज़हार ए हाल कर बैठे
आ...
तुमसे इज़हार ए हाल कर बैठे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.